भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 1097
गुरूवार, 13 फरवरी, 2025/24 माघ, 1946 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

एसएएससीआई योजना

1097 श्री संजय सेठ:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता - वैश्विक पैमाने पर प्रतिष्ठित पर्यटक केंद्रों का विकास (एसएएससीआई) योजना के उद्देश्य और मुख्य विशेषताएं क्या हैं;

(ख) इस योजना के तहत परियोजना प्रस्तावों का चयन किस प्रकार किया जाता है और मूल्यांकन के लिए अपनाए जाने वाले मानदंड क्या हैं;

(ग) इस योजना के तहत स्वीकृत पर्यटन-संबंधी परियोजनाओं की संख्या कितनी है और इन परियोजनाओं के लिए कुल वित्तीय आवंटन कितना है; और

(घ) विकसित प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों की संधारणीयता और वैश्विक ब्रांडिंग सुनिश्चित करने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री **(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क) से (घ): भारत सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में देश में प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों को व्यापक रूप से विकसित करने, वैश्विक स्तर पर उनकी ब्रांडिंग और मार्केटिंग करने के उद्देश्य से 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) - वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों का विकास' योजना के तहत 23 राज्यों में 3295.76 करोड़ रुपये की लागत की 40 परियोजनाओं को मंजूरी दी। इस योजना के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा **अनुबंध** में है।

इस प्रयास की मुख्य विशेषताओं में सर्वांगीण पर्यटक अनुभव विकसित करना, चुने गए प्रस्तावों के लिए वित्तीय सहायता देना, पर्यटक मूल्य श्रृंखला के सभी बिन्दुओं को सुदृढ़ करना, डिजाइन और विकास, सतत प्रचालन एवं अनुरक्षण आदि के लिए गुणवत्तायुक्त विशेषज्ञता का उपयोग करना शामिल है। इन परियोजनाओं की पहचान संबंधित राज्य सरकारों द्वारा प्रस्तुत परियोजना प्रस्तावों, स्थल से कनेक्टिविटी, पर्यटन इको-सिस्टम, वहन क्षमता, स्थिरता संबंधी उपायों, सतत प्रचालन एवं प्रबंधन, परियोजना प्रभाव एवं सृजित मूल्य, घरेलू एवं इनबाउंड (वैश्विक) बाजारों के लिए

पर्यटन विपणन योजनाओं आदि जैसे निर्धारित मानदंडों पर इसकी जांच के आधार पर की गई है। परियोजना का कार्यान्वयन और प्रबंधन संबंधित राज्य सरकारों द्वारा स्थायी रूप से किया जाएगा।

पर्यटन मंत्रालय अपनी सतत पहल के भाग के रूप में वेबसाइट, सोशल मीडिया संवर्धन, कार्यक्रमों में भागीदारी, मेलों और उत्सवों के आयोजन के लिए राज्य सरकारों को सहायता जैसी विभिन्न संवर्धनात्मक पहलों के माध्यम से अतुल्य भारत की ब्रांड लाइन के अंतर्गत घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में देश के विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों का समग्र रूप से संवर्धन करता है। इसके अतिरिक्त, गंतव्यों और उत्पादों का संवर्धन संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा भी किया जाता है।

*****

अनुबंध

श्री संजय सेठ द्वारा एसएएससीआई योजना के संबंध में दिनांक 13.02.2025 को पूछे जाने वाले राज्य सभा के लिखित प्रश्न संख्या 1097 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में **विवरण**

'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) - वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटक केंद्रों का विकास' योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूचीः-

क्र.सं.	राज्य	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रु. में)
1.	आंध्र प्रदेश	1. गंडीकोटा-फोर्ट एवं गोर्ज एक्सपीरियंस का संवर्धन	77.91
		2. अखंड गोदावरी - (हैवलॉक ब्रिज और पुष्कर घाट), राजमहेंद्रवरम	94.44
2.	अरुणाचल प्रदेश	3. सियांग एडवेंचर और इको-रिट्रीट, पासीघाट	46.48
3.	असम	4. असम राज्य चिड़ियाघर सह वनस्पति उद्यान, गुवाहाटी	97.12
		5. शिवसागर में रंग घर का सौंदर्यीकरण	94.76
4.	बिहार	6. मत्स्यगंधा झील का विकास, सहरसा	97.61
		7. करमचट इको-पर्यटन और एडवेंचर हब	49.51
5.	छत्तीसगढ़	8. चित्रोत्पला फिल्म सिटी का विकास	95.79
		9. जनजातीय एवं सांस्कृतिक सम्मेलन केंद्र का विकास	51.87
6.	गोवा	10. छत्रपति शिवाजी महाराज संग्रहालय, पोंडा	97.46
		11. प्रस्तावित टाउनस्क्वायर, पोरवोरिम	90.74
7.	गुजरात	12. केरली (मोकरसागर), पोरबंदर में इको-पर्यटन गंतव्य	99.50
		13. टेंटेड सिटी और कन्वेंशन सेंटर, धोर्डो	51.56
8.	झारखंड	14. तिलैया, कोडरमा का इको-पर्यटन विकास	34.87
9.	कर्नाटक	15. रोएरिच और देविका रानी एस्टेट टाटागुनि, बेंगलुरु में इको पर्यटन और सांस्कृतिक केंद्र	99.17
		16. सवादत्ती यल्लम्मागुड्डा का विकास, बेलगावी	100.00
10.	केरल	17. अष्टमुडी जैव विविधता और इको मनोरंजन केंद्र, कोल्लम	59.71
		18. सरगालयाः मालाबार के सांस्कृतिक क्रूसिबल का ग्लोबल गेटवे	95.34
11.	मध्य प्रदेश	19. ओरछा एक मध्यकालीन वैभव	99.92
		20. भोपाल में एमआईसीई के लिए अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर	99.38

12.	महाराष्ट्र	21. पूर्व आईएनएस - गुलदार अंतर्जलीय संग्रहालय, कृत्रिम चट्टान और पनडुब्बी पर्यटन, सिंधुदुर्ग	46.91
		22. नासिक में "राम-काल पथ" का विकास	99.14
13.	मणिपुर	23. लोकटक लेक एक्सपीरियंस	89.48
14.	मेघालय	24. मावखानू, शिलांग में एमआईसीई अवसंरचना	99.27
		25. उमियम झील का पुनर्विकास, शिलांग	99.27
15.	ओडिशा	26. हीराकुंड का विकास	99.90
		27. सतकोसिया का विकास	99.99
16.	पंजाब	28. हेरिटेज स्ट्रीट का विकास, एसबीएस नगर	53.45
17.	राजस्थान	29. आमेर-नाहरगढ़ एवं आसपास के क्षेत्र का विकास, जयपुर	49.31
		30. जल महल, जयपुर का विकास	96.61
18.	सिक्किम	31. स्काईवॉक, भालेढुंगा, यांगांग, नामची	97.37
		32. बॉर्डर एक्सपीरियंस, नाथुला	68.19
19.	तमिलनाडु	33. मामल्लापुरम में नंदवनम हेरिटेज पार्क	99.67
		34. देवला, ऊटी में फूलों का बगीचा	70.23
20.	तेलंगाना	35. रामप्पा क्षेत्र स्थायी पर्यटन परिपथ	73.74
		36. सोमसिल्ला निरोगता और आध्यात्मिक रिट्रीट, नल्लामाला	68.10
21.	त्रिपुरा	37. बंडुआर, गोमती में 51 शक्ति पीठ पार्क	97.70
22.	उत्तर प्रदेश	38. बटेश्वर का विकास, जिला-आगरा	74.05
		39. एकीकृत बौद्ध पर्यटन विकास, श्रावस्ती	80.24
23.	उत्तराखंड	40. प्रतिष्ठित शहर ऋषिकेश: राफ्टिंग बेस स्टेशन	100.00
		कुल	**3,295.76**

*****